पंजाब केसरी 25/11/2025

प्लास्टिक मुक्त, ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन को कम करना, कचरे को न्यूनतम करना और ग्रीन कैमिस्ट्री सिद्धांतों को अपनाना ही सस्टेनेबिलिटी का रोडमैप : डॉ. रोहित दत्त

कार्यक्रम के दौरान मंच पद उपस्थित गण्यमान्य व्यक्ति।

अम्बाला, 23 नवम्बर (बलराम): श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ब्रिजिंग द गैप बिटवीन इंडस्ट्री एंड अकाडेमिया सस्टेनेबल फ्यूचर ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज का शुभारंभ किया। एन.आर.एफ. और उत्तराखंड सरकार द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में देश भर के वरिष्ठ शिक्षक, उद्योग प्रतिनिधि और पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. रोहित दत्त, प्राचार्य जीएमन कॉलेज और उपाध्यक्ष, ए.पी.टी.आई. और एस.जी.आर.आर. इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की पहली बैच के पूर्व छात्र ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में स्थिरता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सस्टेनेबिलिटी केवल एक बजवर्ड नहीं, यह अनिवार्य जरूरत है। ग्रीनहाऊस गैस उत्सर्जन को कम करना, कचरे को न्यूनतम करना और ग्रीन कैमिस्ट्री सिद्धांतों को अपनाना प्रगति की रोडमैप है। लाइफ साइकल एसेसमेंट हमें कच्चे माल के निष्कर्षण से लेकर निपटान तक के हर चरण के पर्यावरणीय प्रभाव को आंकने में मदद करता है।

सस्टेनेबिलिटी अब केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक और सिस्टमिक चुनौती बन गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नीतियों की स्थिरता, कार्बन मार्केट और निवेश योग्य इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ, आम लोगों की भागीदारी भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि क्लीन एअर, साफ पानी और स्वच्छ आसपास के लिए हर घर में कचरे का स्रोत-पर-स्रोत विभाजन जरूरी है। सरकार द्वारा इस अभियान में स्कूल स्तर से लेकर उद्योग स्तर तक सभी को शामिल किया जा रहा है।

सम्मेलन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों, विशेषकर एस.डी.जी.-4, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ संरेखित करने की बात भी उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि एनईपी 2020 का समग्र, समानता-पूर्ण दृष्टिकोण कम-प्रभाव वाले फार्मास्यूटिकल इकोसिस्टम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

2 दिवसीय कार्यक्रम में पैनल चर्चा, शोध प्रस्तुतियां और कार्यशालाएं आयोजित की गई, जिनका उद्देश्य अकादमिक और उद्योग के बीच सहयोग को मजबूत करना है। सम्मेलन का समापन नीति, नवाचार और सस्टेनेबल फार्मा के आगे का रास्ता विषय पर पूर्ण सत्र के साथ हुआ।